This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number	:	.....
Unique Paper Code	:	**121302401**
Title of the Paper	:	**EC-A 401, Yajurveda, Atharvaveda & Pratisakhya** **यजुर्वेद, अथर्ववेद एवं प्रातिशाख्य**
Name of the Course	:	**MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2023**
Semester	:	**IV**
Duration	:	**3 Hours**
Maximum Marks	:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिये। **9 x 2 = 18**
Explain any **two** of the following Mantras.

(क) वसोः पवित्रमसि द्यौरसि पृथिव्यसि मातरिश्वनो घर्मोऽसि विश्वधा असि।
परमेण धाम्ना दृंहस्थ मा ह्वार्मा ते यज्ञपतिर्ह्वार्षीत्॥

अथवा or

कस्त्वा युनक्ति स त्वा युनक्ति कस्मै त्वा युनक्ति तस्मै त्वा युनक्ति। कर्मणे वां वेषाय वाम्।

(ख) कृष्णोऽस्याखरेष्ठोऽग्नये त्वा जुष्टं प्रोक्षामि वेदिरसि बर्हिषे त्वा जुष्टं प्रोक्षामि बर्हिरसि स्रुग्भ्यस्त्वा जुष्टं प्रोक्षामि।

अथवा or

अग्ने वेर्होत्रं वेर्दूत्यमवतां त्वां द्यावापृथिवी अव त्वं द्यावापृथिवी स्विष्टकृद्देवेभ्य इन्द्र आज्येन हविषा भूत्स्वाहा संज्योतिषा ज्योतिः।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए जिनमें से एक संस्कृत में हो। **9 + 7 = 16**
Explain any **two** of the following Mantras out of which **one** must be in **Sanskrit**.

(क) पूर्णः कुम्भोऽधि काल आहितस्तं वै पश्यामो बहुधा नु सन्तः।
स इमा विश्वा भुवनानि प्रत्यङ्कालं तमाहुः परमे व्योमन्॥

(ख) यस्याश्वतस्रः प्रदिशः पृथिव्या यस्यामन्नं कृष्टयः संबभूवुः।
या बिभर्ति बहुधा प्राणदेजत् सा नो भूमिर्गोष्वप्यन्ने दधातु॥

(ग) इन्द्रः सीतां नि गृह्णातु तां पूषाभि रक्षतु।
सा नः पयस्वती दुहामुत्तरामुत्तरां समाम्॥

(घ) अभि त्वा देवः सवितामिः सोमो अवीवृधत्।
अभि त्वा विश्वा भूतान्यभीवर्तो यथाससि॥

3. (क) अथर्ववेद के केन सूक्त के विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए। 07
Throw light on the subject matter of केन सूक्त of Athrvveda.

अथवा Or

अथर्ववेद के राष्ट्राविभर्धन पर समालोचनात्मक निबन्ध लिखिये।
Write a critical essay on राष्ट्राविभर्धन of Atharvaveda.

(ख) दर्शपौर्णमासयाग में वर्णित यज्ञिय पात्रों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये । 07
Throw light on the uses of यज्ञियपात्र of Darsapūrnamāsayāga.

अथवा Or

दर्शपौर्णमासयाग की याज्ञिक प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
Describe the Yajna process of Darsapūrnamāsayāga.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं छह सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए । 6 x 2 = 12
Explain and illustrate any **six** of the following sutras.

(क) ककारपकारयोः सकारम्।
(ख) तपसस्पृथिव्याम्।
(ग) स्याद्वाम्नायधर्मित्वाच्छन्दसि नियमः।
(घ) अकण्ठ्यो भावी।
(ङ) धि शेषः।
(च) ऐकारौकारयोः कण्ठ्या पूर्वा मात्रा ताल्वोष्ठयोरुत्तरा।
(छ) एकारेकारोकारा द्विवचनान्ताः।
(ज) युवर्णौ यवौ क्षैप्रः।
(झ) वाचकमुचित्समस्मात् घहस्मत्व ईम्मर्या अरेस्विन्निपाताश्चेत्।
(ञ) देवताद्वन्द्वानि चानामन्त्रितानि।
(ट) सर्वमग्रा३ई लाजी३ञ्छाची३नीति त्रिमात्राणि च।
(ठ) आयाममार्दवाभिघाताः।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की उदाहरणसहित परिभाषा दीजिए। 5 x 2 = 10
Define any **five** of the following with example.
जात्य, सवर्ण, नति, प्रश्लिष्ट, मुत्, आग्रेडित, अभिनिहित, स्वरित